प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है, कि inhi voLFkh द्वारा प्रस्तुत शोध–प्रबन्ध ^^lfl)kUrkÙke jke[k.M vo/kh egkdk0; e: /ke: vkj lk/kuk dk Lo:i** विषय पर शोध कार्य मेरे निर्देशन एवं पर्यवेक्षण में हिन्दी–विभाग, आर्मापुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर शोध केन्द्र पर विधिवत् सम्पन्न किया गया है।

यह शोध कार्य शोधार्थी के मौलिक परिश्रम का परिणाम है। भारतीय साहित्य एवं अध्यात्म में धर्म और साधना का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। शोधार्थी द्वारा धर्म और साधना के स्वरूप का यह अध्ययन आज की ज्वलंत समस्याओं के समाधान में उपयोगी एवं सार्थक सिद्ध हो सकता है।

प्रस्तुत शोध–प्रबन्ध में शोधार्थी की विवेचना–शक्ति एवं समीक्षा दृष्टि का आदि से अंत तक परिचय मिलता है। इन्होंने शोध–कार्य हेतु निर्धारित न्यूनतम अवधि दो सौ दिन से अधिक शोध केन्द्र पर उपस्थित होकर अपने शोध–कार्य को पूरा किया है। यह शोध–प्रबन्ध छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, उ0प्र0 की पी–एच0डी0 (हिन्दी) की उपाधि हेतु मूल्यांकन योग्य है, अतः मैं शोधार्थी प्रदीप अवस्थी को अपना शोध प्रबन्ध प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान करती हूँ और इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ।

¼Mk0 xk;=h fl:g½
उपाचार्य एवं विभागाध्यक्ष,
हिन्दी विभाग
आर्मापुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
कानपुर